पुस्तकालय

(2)
3177
29/2/12

असंशोधित

22 FEB 2012

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग 1–कार्यवाही–प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा
गै०स०प्रे०सं०……36……तिथि……29-2-12

पंचदश विधान सभा

22 फरवरी,2012 ई0

बुधवार,तिथि ----------

पंचम सत्र

03 फाल्गुन 1933(श)

(कार्यवाही प्रारंभ होने का समय 11.00 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण,अब सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है । तारांकित प्रश्न लिये जायेंगे ।

प्रश्नोत्तर

तारांकित प्रश्न सं0-1(श्री राजेश्वर राज)

डा0 भीम सिंह,मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, 1. आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है ।

2. वस्तुस्थिति यह है कि प्रश्नाधीन पथ पी0एम0जी0एस0वाई0 योजनांतर्गत निर्माण हेतु निविदा आमंत्रित की जा चुकी है । निविदा निष्पादन के उपरांत कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा ।

3. उपर्युक्त खंड 2 में स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है ।

श्री राजेश्वर राज : अध्यक्ष महोदय, आखिर कबतक इन सड़कों की मरम्मती हो पायेगी चूंकि हमारा क्षेत्र उग्रवाद प्रभावित ..

अधयक्ष : माननीय मंत्री ने आपको स्पष्ट तौर से जवाब दिया है ।

तारांकित प्रश्न सं0-2(डा0 अब्दुल गफूर)

श्री नंदकिशोर यादव,मंत्री : महोदय, 1. क्षेत्रीय पदाधिकारी को यातायात गणना हेतु निदेशित किया गया है । यातायात गणना के पश्चात् सड़क चौड़ीकरण के प्रस्ताव पर विचार किया जायेगा ।

डा0 अब्दुल गफूर : माननीय मंत्रीजी ने जो जवाब दिया वह मैंने समझा नहीं, पुन: पढ़ देने का कष्ट करें ।

श्री नंदकिशोर यादव,मंत्री : महोदय,किसी भी सड़क को चौड़ा करने के लिये उस सड़क पर यातायात होना चाहिये । माननीय सदस्य ने एक प्रश्न किया है तो उस प्रश्न के आलोक में मैंने अधिकारी को निदेशित किया है कि वो यातायात गणना कर लें और अगर वो उसके अनुरूप पाया जायेगा तो उसका काम किया जायेगा ।

डा0 अब्दुल गफूर : अध्यक्ष महोदय,यह सड़क जो राजनपुर-करणपुर पथ है वह दो जिला को जोड़ती है, सहरसा जिला और सुपौल जिला और दो जिला सुपौल जिला से सहरसा जिला आती है, इसका जितना पार्ट सुपौल जिला में है वह डबल है और सहरसा जिला में जो है, सहरसा जिला का जो पार्ट है वह डबल नहीं है, एक ही सड़क है आप सुपौल जिला में उसको डबल कर दिया सहरसा जिला में नहीं किया गया इसलिये हमारी मांग है कि सुपौल जिला में डबल किया गया है, सहरसा जिले में भी उसको डबल किया जाय, यह काफी महत्वपूर्ण सड़क है, नेपाल को जोड़ती है ।

श्री नंदकिशोर यादव,मंत्री : महोदय, मैंने उस सड़क के महत्व को कम करने की कोशिश नहीं की है, मैंने यह नहीं कहा कि हम नहीं बनायेंगे, हमने तो कहा कि किसी सड़क के चौड़ीकरण के लिये पहले हम इस बात को देखते हैं कि यातायात कितना है, उसकी कितनी फीजिबिलिटी है, तो उसी का अध्ययन कर रहे हैं, कर लेंगे उसके बाद ही कार्रवाई कर पायेंगे न । वही तो मैंने कहा है ।

श्रीमती सुनीता सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध करती हूँ कि वे अपने किसी भी एजेंसी या जिला प्रशासन से या अपने स्तर से कमिटी गठित कर इसकी जाँच करायें ।

श्री नन्दकिशोर यादव,मंत्री : महोदय, क्या जाँच करा दें । कोई आरोप हो, महोदय, यह जो लटकाया जा रहा था, जो हुक लगता है । क्रेन में लटकाने के लिए जो बाँधा जाता है, वह स्लीप कर गया था, उसके कारण उसमें कोई गुणवत्ता प्रभावित नहीं हुई है और उसके बाद २० लगा दिये गये ऊपर, चढ़ा दिये गये जब ठीक कर लिया गया, उसमें चूक थी । अगर कोई आरोप माननीय सदस्या अगर किसी विषय के बारे में बतायेंगे, उसके गुणवत्ता के बारे में बतायेंगे तो निश्चित रूप से, राज्य सरकार गुणवत्ता से समझौता करने के लिए तैयार नहीं है । गुणवत्ता के बारे में कोई शिकायत आयेगी, हम उसकी पूरी जाँच करायेंगे और जो दोषी पाया जायेगा, उसपर कार्रवाई करेंगे । लेकिन यह जो मामला है, यह गुणवत्ता का मामला नहीं है, यह क्रेन के स्लीप करने का मामला है ।

तारांकित प्रश्न सं०-३३(श्री राज कुमार राय,स०वि०स०)

श्री विजय कुमार चौधरी,मंत्री : महोदय, खंड-१ उत्तर स्वीकारात्मक है ।

खंड-२ उत्तर स्वीकारात्मक है ।

प्रश्नाधीन क्षेत्रों से जल-जमाव के निदान हेतु सर्वेक्षण का निदेश दे दिया गया है और तकनीकी संभाव्यता पाये जाने पर आगे की कार्रवाई की जायेगी ।

श्री राज कुमार राय : धन्यवाद ।

तारांकित प्रश्न सं०-३५(डॉ० इजहार अहमद,स०वि०स०)

श्री भीम सिंह,मंत्री : महोदय, उत्तर स्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि इस वित्तीय वर्ष में निर्माण किये जाने वाले पथों एवं पुलों का चयन किया जा चुका है । इस सड़क के बारे में प्रारंभिक प्रतिवेदन की मांग की जा रही है ।

डॉ० इजहार अहमद : अध्यक्ष महोदय, बहुत ही गंभीर मसला है और यह जो दरभंगा जिला के और सहरसा को जोड़ने का और अनुमंडल से तीन प्रखंड जोड़ने का यह पुल है । दोनों तरफ सड़कें बन रही है और पुल का अभी तक कोई व्यवस्था नहीं हो पाया है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूँगा कि इस पुल का अविलम्ब प्राक्कलन तैयार करवाकर के इसका निर्माण जल्द से जल्द करवाया जाय । माननीय मंत्री जी उदारतावादी होकर इसको जल्द से जल्द करवाने का कष्ट करें ।

श्री भीम सिंह,मंत्री : महोदय, मैंने कहा है कि टेक्नो-फिजीबिलीटी रिपोर्ट की मांग की गई है, चूँकि कमला नदी पर पुल का भी मामला है और महोदय, सदन अवगत है कि ग्रामीण कार्य विभाग छोटे पुलों का निर्माण करता है । इसीलिए टेक्नो-फिजीबिलीटी रिपोर्ट कि कितना लम्बा, कितना चौड़ा कितना इसपर खर्च होगा महोदय, एक अध्ययन आ जाने के बाद अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी ।